# ध्यान का स्वरूप

किसी एक विषय में निरन्तर ज्ञान का रहना ध्यान है ।

# ध्यान के अंग

- ध्याता
- ध्यान
- ध्येय
- ध्यानफल

# ध्यान के भेद

- आर्तध्यान
- रौद्रध्यान
- धर्मध्यान
- शुक्लध्यान

# आर्तध्यान के भेद

- अनिष्टसंयोगज
- इष्टवियोगज़
- रोगप्रकोपज या वेदनाजन्य
- निदानजन्य

# रौद्रध्यान के भेद

- हिसानन्द
- मृषानन्द
- चौर्यानन्द
- विषयसंरक्षणानन्द

# धर्मध्यान के भेद

- आज्ञाविचय
- अपायविचय
- विपाकविचय
- सस्थानविचय

# शुक्लध्यान के भेद

- पृथकत्ववितर्कवीचार
- एकत्ववितर्क अवीचार
- सूक्ष्मक्रियाप्रतिपाति
- व्यूपरतक्रियानिवृत्ति